हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 10 मार्च 2026

11 बासौड़ा पर शीतला माता मंदिर में लगा श्रद्धालुओं...

12 दयालु-2 योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर करें आवेदन

असमंजस की स्थिति : जानकारी लेने के लिए जा रहे कॉमन सर्विस सेंटर तो कहीं विभागीय कार्यालय में काट रहे चक्कर

मैसेज तो आ रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं! लाडो लक्ष्मी योजना में फोटो अपलोड का ऑप्शन बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी लाडो लक्ष्मी योजना के पोर्टल और मोबाइल ऐप में तकनीकी दिक्कत आने से लाभार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। योजना के तहत जीवंतता प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) अपडेट करने के लिए जरूरी फोटो अपलोड का विकल्प फिलहाल ऐप में दिखाई नहीं दे रहा है। यदि कोई लाभार्थी ऐप पर अपनी लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं करवाता है तो उसको मिलने वाला लाभ रोक दिया जाता है। ऐसे में तकनीकी कारणों से हजारों लाभार्थी अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे है और जानकारी लेने के लिए इधर-उधर भटक रहे है। लाभार्थियों का कहना है कि उनके मोबाइल फोन पर लगातार संदेश आ रहे है कि वे ऐप के माध्यम से अपना लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट करें, लेकिन जब वे ऐप खोलते है तो उसमें फोटो अपलोड करने का विकल्प दिखाई नहीं देता। ऐसे में लोग कई बार कोशिश करने के बावजूद अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे है।

तकनीकी अपडेट के कारण आई समस्या

जानकारों के अनुसार कई सरकारी मोबाइल ऐप में समय-समय पर तकनीकी अपडेट किए जाते है। अपडेट के दौरान कुछ सुविधाएं अस्थायी रूप से बंद हो जाती है या उनमें बदलाव किया जाता है। संभावना जताई जा रही है कि ऐप में किसी नए सिस्टम को लागू करने या तकनीकी सुधार के चलते फिलहाल फोटो अपलोड का विकल्प बंद कर दिया गया है।

लाभार्थी सावधानी बरतें

सीएससी केंद्र संचालकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से कई लाभार्थी इस समस्या को लेकर उनके पास आ रहे है। लोग अपने मोबाइल में ऐप दिखाकर पूछते है कि फोटो अपलोड का विकल्प क्यों नहीं आ रहा। फिलहाल उन्हें यही बताया जा रहा है कि यह तकनीकी समस्या है और जल्द ही ठीक हो जाएगी। लाभार्थियों को सलाह दी जाती है कि इस तकनीकी समस्या में सावधानी जरूर बरतें और विभागीय आदेश का इंतजार करे।

फसल कटाई का कार्य प्रभावित

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इस समस्या के कारण लाभार्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई लोग जानकारी लेने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर और संबंधित विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगा रहे है। सीएससी केंद्रों पर भी रोजाना बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। किसानों का कहना है कि इस समय फसल कटाई का कार्य चल रहा है। लाडो लक्ष्मी योजना में लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं होने की वजह से महिलाएं विभागों के चक्कर लगा रही है। इसकी वजह से फसल कटाई का कार्य प्रभावित हो रहा है। वही बड़े किसानों का कहना है कि योजना में तकनीकी समस्या की वजह से मजदूर महिलाएं नहीं मिल रही है।

लाभार्थियों की प्रतिक्रिया और समस्या

नीतू देवी का कहना है कि उसे योजना का आवेदन किए हुए तीन माह से अधिक हो गया है। ऐप पर आवेदन की स्थिति कम्पलीट दिखा रहा है। हर माह लाइफ सर्टिफिकेट भी जमा कर रही है। उसके बावजूद योजना की एक भी क़स्ति नहीं आई है। समाधान के लिए बार बार टोल फ्री नंबर पर सम्पर्क किया जा रहा है लेकिन समाधान की कोई उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। शकुंतला लाभार्थी ने बताया कि मोबाइल पर लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट करने का टेक्स्ट मैसेज आ रहा है लेकिन ऐप में फोटो अपलोड करने का विकल्प ही नहीं दिख रहा। कई बार कोशिश करने के बाद भी काम नहीं हो रहा है। सीएससी संचालक ऋषि देव का कहना है कि यह तकनीकी समस्या लग रही है। संभव है कि ऐप में कोई अपडेट चल रहा हो। विभाग की ओर से अपडेट पूरा होने के बाद सुविधा फिर से शुरू हो जाएगी। लेकिन विभाग को लाभार्थियों के पास लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने के मैसेज नहीं भेजने चाहिए।

परीक्षा के डर से घर से गया छात्र बरामद

नारनौल। थाना नांगल चौधरी क्षेत्र से लापता हुए एक नाबालिग छात्र को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अजमेर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया है। बीते छह मार्च की शाम छात्र अपने घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। इसके बाद सात मार्च को परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने तुरंत संज्ञान लिया और थाना नांगल चौधरी पुलिस को नाबालिग को जल्द से जल्द ढूंढने के सख्त निर्देश दिए। इन निर्देशों की पालना करते हुए पुलिस टीम ने मुस्तैदी से खोजबीन की और नाबालिग लड़के को अजमेर रेलवे स्टेशन पर उस वक्त सुरक्षित ढूंढ निकाला, जब वह रेलगाड़ी के जरिए जैसलमेर जाने की फिराक में था। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि युवक विज्ञान संकाय में थोड़ा कमजोर है और विज्ञान विषय की आगामी परीक्षा के डर तथा उससे बचने के लिए ही वह बिना बताए घर से चला गया था। युवक पहले बस से जयपुर गया और उसके बाद जयपुर से रेलगाड़ी से अजमेर पहुंचा तथा रेलगाड़ी से जैसलमेर जा रहा था। जिसे अजमेर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय में युवक के बयान दर्ज करवाए हैं और उसे परिजनों को सौंप दिया।

खबर संक्षेप

बव्वा में शीतला माता का मेला आज

कनीना। गांव बव्वा में 10 मार्च को शीतला माता मंदिर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सुरेंद्र सिंह व राजीव यादव ने बताया कि मंगलवार को सवा 10 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। वही 11 मार्च को बासोडा पर्व पर आयोजित मेला लगेगा।

पुल बाजार लखेरा ट्रेडर्स पर सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को धर्मेंद्र लखेरा के प्रतिष्ठान पुल बाजार लखेरा ट्रेडर्स पर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। मंडल सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

सलीमपुर में मंडल स्तरीय महाप्रशिक्षण 14 को

मंडी अटेली। गांव सलीमपुर में अटेली मंडल स्तरीय महाप्रशिक्षण अभियान 14 को आयोजित किया जाएगा। भाजपा अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार एवं मंडल महामंत्री इंद्रजीत यादव ने बताया कि हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर में आयोजित होने वाले मंडल स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान को लेकर सभी की ड्यूटी लगा दी गई हैं। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से सायं तक चलेगा, कार्यकर्ताओं को नीति, सिद्धांत और जनसेवा के संस्कारों से समृद्ध किया जाएगा।

नारनौल के अलावा अटेली वनांगल चौधरी से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई

आगजनी से ठेकेदार का 250 टन कचरा जल गया

डंपिंग यार्ड में रात को लगी आग, शाम तक काबू नहीं

डॉयल 112 से नगर परिषद परिसर स्थित फायर ब्रिगेड कार्यालय पहुंची कॉल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद द्वारा रघुनाथपुरा पहाड़ की तलहटी में बनाए गए डंपिंग यार्ड (कूड़ा डालने का स्थान) में रविवार देर रात आग लग गई। आग लगने के बाद लोगों ने रात्रि करीब 11 बजे फायर ब्रिगेड के पास कॉल किए। फिर कॉल डॉयल 112 से नगर परिषद परिसर स्थित फायर ब्रिगेड कार्यालय पहुंची। जिस पर रात्रि को ही फायर बुझाने वाली गाड़ी मौके पर भेजी गई, लेकिन तब तक कूड़े में आग हवा चलने के कारण तेजी से फैल चुकी थी, जिस पर नारनौल के अलावा अटेली एवं नांगल चौधरी से भी गाड़ियां मौके पर बुलानी पड़ी। कमाल की बात यह है कि कूड़े में दबी पॉलीथीन बार-बार पहाड़ की हवा लगने से सुलग जाती हैं, जिस कारण फिर से गाड़ियों को भेजना पड़ रहा है। रात्रि करीब नौ-साढ़े नौ बजे लगी आग पर सोमवार शाम चार बजे तक भी पूर्णतया नियंत्रण नहीं पाया जा सका। सबसे बड़ी समस्या कूड़े को मनमाने ढंग से अस्त-व्यस्त तरीके से डालने के कारण गाड़ियों को आग वाली जगहों पर पहुंचने को रास्ते ही नहीं मिल रहे, जिस कारण आग बार-बार सुलग कर परेशानी का कारण बन रही है। लगभग 10 गाड़ियों को आग बुझाने में लगाया गया है।

नारनौल। डंपिंग यार्ड के कूड़े में लगी आग। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि नगर परिषद ने शहर का डंपिंग यार्ड रघुनाथपुरा के पास पहाड़ियों की तलहटी में बनाया हुआ है। रात को अज्ञात कारणों से उसी डंपिंग यार्ड में आग लग गई। आग लगने के कारण पूरे इलाके में धुएं का गुबार फैल गया, जिससे आसपास रहने वाले लोगों ने देखकर फायर ब्रिगेड को कॉल किए। जिस पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। रात को जहां आमलोग क्रिकेट के फाइनल मैच का आनंद लेने में मशगूल थे, वहीं फायर कर्मी नींद त्यागकर आग पर काबू पाने के लिए पसीना बहा रहे थे। कमाल की बात है कि फायर कर्मी जब आग बुझाने पहुंचे, तब वह काफी क्षेत्र में फैल चुकी थी, जिस कारण नारनौल की दो गाड़ियों के अलावा दूसरी गाड़ियां भी बुलानी पड़ी। नांगल चौधरी एवं अटेली के साथ-साथ महेंद्रगढ़ से भी फायर की गाड़ियां बुलानी पड़ी। ये गाड़ियां जैसे ही आग पर काबू पाकर वापस लौटती, लोगों के फिर से फोन बजने लगते कि आग फिर धधक गई है और फायर कर्मी फिर से मौके के लिए रवाना हो जाते। यह सिलसिला रात ही नहीं, आज दिनभर चलता रहा और बार-बार कभी पानी लेने तो कभी आग बुझाने का काम चलता रहा।

पास ही बनी है नंदी गोशाला

इस डंपिंग यार्ड के पास ही स्थित नंदी गोशाला भी स्थित है। अनेक लोग इससे कुछ दूरी पर मकान बनाकर रहने लगे हैं। आग बार-बार फैलने से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। इसके अलावा पास की पहाड़ियों पर सूखी घास और लकड़ी होने के कारण आग के और अधिक फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

रास्ता नहीं मिलने से पनपा गुस्सा

एकतरफ जहां फायर कर्मी क्रिकेट का आनंद एवं नींद त्यागकर आग बुझाने में लगे थे, वहीं उनमे डंपिंग यार्ड में आग तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं मिलने से बड़ी भारी परेशानी से गुजरना पड़ा। नप के कूड़ा डालने वाले टैंपुओं ने मनमाने ढंग से कूड़ा कहीं भी डाल रखा है। मनमाने ढंग से कूड़ा डालने पर गाड़ियों के लिए रास्ता तक नहीं छोड़ा गया है। यदि कूड़ा व्यवस्थित ढंग से डाला गया होता और गाड़ियों के आवागमन के लिए रास्ता छोड़ा होता तो आग बुझाने में इतना समय नहीं लगता और इतना पसीना भी नहीं बहाना पड़ता। फायर कर्मियों को लंबी दूरी तक पानी के पाइप उठाकर ले जाने एवं फिर उन्हें समेटने पड़े हैं। यह प्रक्रिया कर बार दोहराने से भारी परेशान हो गए तथा उनमें कूड़ा डालने वालों के खिलाफ ही गुस्सा पनपने लगा। फायर कर्मियों ने बताया कि अव्यस्थित ढंग से कूड़ा डालने के कारण उन्हें बड़ी भारी परेशानी से गुजरना पड़ा है। आग लगने के कारण ठेकेदार का करीब 250 टन कचरा जल गया। आग करीब एक किलोमीटर के दायरे में फैली हुई है। इससे आसपास के मकानों तक फैलने का खतरा बना हुआ है, जिस कारण आसपास के लोग परेशान हैं।

नारनौल। ढाणी बाठोठा में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश करते ग्रामीण।

फायरब्रिगेड के देर से पहुंचने पर उठे सवाल

ढाणी बाठोठा में आगजनी में नुकसान 1 घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

ढाणी बाठोठा गांव की नदी में सोमवार सुबह लगभग 11 बजे अचानक आग लगने की घटना सामने आई। जिससे गांव के कई लोगों का इंधन जलकर राख हो गया और उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही लोगों ने तुरंत डायल 112 पर फोन किया। जिसके बाद पुलिस की गाड़ी समय पर मौके पर पहुंच गई। पुलिस कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर पानी की व्यवस्था कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

ग्रामीणों के अनुसार आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई थी, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी करीब एक घंटे देरी से मौके पर पहुंची। इस कारण आग को तुरंत काबू में नहीं किया जा सका और काफी मात्रा में इंधन जलकर नष्ट हो गया। फायर ब्रिगेड के पहुंचने के बाद ही आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। गांव के निवासी मंजीत गुणवाल ने बताया कि उन्होंने आग लगने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड को फोन कर दिया था, लेकिन गाड़ी लगभग एक घंटे बाद पहुंची। उइतनी देर से पहुंचना प्रशासन की बड़ी लापरवाही को दर्शाता है।

ग्रामीणों व पुलिस ने की कोशिश

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस व स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाने में पूरा सहयोग किया, लेकिन अग्निशमन विभाग की देरी के कारण नुकसान बढ़ गया। इस घटना के बाद गांव के लोगों में रोष भी देखने को मिला और उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए फायर ब्रिगेड की व्यवस्था को और बेहतर करने की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि इस मामले की जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आपातकालीन सेवाएं समय पर उपलब्ध हों, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं में लोगों को कम से कम नुकसान उठाना पड़े।

नारनौल। वह फ्लाईओवर, जहां हादसा हुआ। फोटो : हरिभूमि

रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत

नारनौल। नांगल चौधरी रोड पर बने रेलवे फ्लाईओवर पर रोडवेज बस की टक्कर से महिला गिर पड़ी और बस का पहिया उसकी गर्दन के ऊपर से गुजरने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त बाइक खराब होने पर महिला सड़क पर खड़ी थी। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। गांव धौलेड़ा के करीब 52 वर्षीय संतोष देवी अपने पति के साथ किसी काम से नारनौल आई थी। दोनों वापस बाइक पर सवार होकर घर जा रहे थे। निजामपुर रोड वाले फ्लाइओवर पर बाइक खराब हो गई, जिस कारण महिला का पति बाइक को ठीक करने की लिए बाइक को देखने लग गया। वहीं महिला बाइक के पास खड़ी हो गई। इसी दौरान तेज गति से आ रही रोडवेज बस के ड्राइवर ने महिला को टक्कर मार दी। हादसे में महिला बस के नीचे आ गई। इससे बस का टायर महिला की गर्दन के ऊपर चढ़ गया और उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। हादसे की आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचा दिया।

दयानगर में जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

नारनौल। दयानगर शिवजी गली में 24 वर्षीय एक युवक की जहरीला पदार्थ खाने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। मूल रूप से शहर के मोहल्ला पुरानी सराय के रहने वाले तथा फिलहाल दया नगर में रह रहे करीब 24 वर्षीय राजकुमार पुत्र निरंजनलाल ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसको इलाज के लिए नागरिक अस्पताल लेकर गए। जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। मगर जब परिजन उसे बहरोड लेकर गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक के दो भाई हैं, जिनमें वह बड़ा था और अविवाहित था। मृतक के पिता ट्रक ड्राइवर हैं। वह बेरोजगार होने के कारण दिन भर इधर-उधर ही घूमता रहता था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

विधायक ने किया मोहित को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने शहर के मोहल्ला मालीटिब्बा निवासी करण उर्फ मोहित को उनके निवास पर पहुंचकर यूपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में 750वीं रैंक हासिल करने पर सम्मानित किया। लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति व पारदर्शी व्यवस्था के कारण आज प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। क्षेत्र के युवाओं ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि एक साधारण परिवार से आने वाले करण उर्फ मोहित के पिता छोटे किसान होने के साथ वेल्डिंग का कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। ऐसे में सीमित संसाधनों के बावजूद मोहित ने कड़ी मेहनत कर यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

नारनौल। मोहित को सम्मानित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

बैठक में विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, सुरक्षा, मिड-डे-मील व वित्तीय पारदर्शिता की होगी समीक्षा

सरकारी स्कूलों में अब हर माह अनिवार्य होगी एसएमसी बैठक, माह का अंतिम शनिवार तय

शिक्षा निदेशालय ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार के विद्यालय शिक्षा निदेशालय पंचकूला ने राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की बैठकों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब प्रत्येक विद्यालय में हर माह के अंतिम शनिवार को एसएमसी की नियमित बैठक आयोजित करना अनिवार्य होगा। यदि अंतिम शनिवार को अवकाश रहता है तो बैठक उसी सप्ताह के किसी अन्य दिन आयोजित की जाएगी।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आईटीई एक्ट) की धारा 21 के तहत प्रत्येक सरकारी विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। यह समिति विद्यालय स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

निर्देशों के अनुसार विद्यालय प्रमुख एसएमसी के सदस्य सचिव होंगे और बैठक का आयोजन, कार्यवाही लेखन, अभिलेख संधारण तथा लिए गए निर्णयों के अनुपालन की जिम्मेदारी उनकी होगी। एसएमसी की भूमिका विद्यालय के दैनिक संचालन, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आधारभूत संरचना के रखरखाव, मिड-डे-मील की गुणवत्ता, वित्तीय पारदर्शिता तथा सामुदायिक सहभागिता तक विस्तृत होगी।

अधिकारियों को दिए गए निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि पत्र मिला है। उसमें निर्देश मिले है कि अधिकारी अपने निरीक्षण के दौरान एसएमसी बैठकों की नियमितता की जांच करें और सुनिश्चित करें कि बैठकों का आयोजन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी विद्यालय में एसएमसी की मासिक बैठक आयोजित करने में कोताही, देरी या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित विद्यालय प्रमुख और खंड शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

इन प्रमुख विषयों पर होगी चर्चा

एसएमसी बैठकों में विद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक स्थिति से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार किया जाएगा। इनमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण और कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक कदम शामिल होंगे। इसके अलावा टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) के उपयोग, डिजिटल उपकरणों जैसे स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर लैब, आईसीटी लैब, भाषा प्रयोगशाला तथा खेल सामग्री के प्रभावी उपयोग की समीक्षा भी की जाएगी। शिक्षकों की डिजिटल दक्षता और आवश्यक प्रशिक्षण की योजना पर भी विचार किया जाएगा। विद्यालय में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, अनुशासन, विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था जैसे सीसीटीवी, अग्नि सुरक्षा उपकरण और बाल संरक्षण मानकों की उपलब्धता और कार्यशीलता की भी जांच की जाएगी। साथ ही विद्यालय परिसर की स्वच्छता, पेयजल और शौचालय व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्यालय के भवन, मरम्मत और रख-रखाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ स्कूल डेवलपमेंट प्लान (एसडीपी) के क्रियान्वयन और विभिन्न योजनाओं में प्राप्त निधियों के उपयोग की जानकारी भी बैठक में दी जाएगी। मिड-डे-मील योजना के अंतर्गत भोजन की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था, पोषण स्तर तथा खर्च की भी नियमित समीक्षा की जाएगी। नकद पुस्तिका (कैश बुक) का सत्यापन, तिथि भोजन, जन्म उत्सव तथा अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों की योजना और प्रभाव का मूल्यांकन भी किया जाएगा।

बैठक से संबंधित प्रमुख व्यवस्थाएं

शिक्षा विभाग ने एसएमसी बैठकों के संचालन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई आवश्यक प्रावधान तय किए हैं। इसके तहत बैठक की सूचना विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा सभी सदस्यों को कम से कम सात दिन पहले लिखित रूप में दी जाएगी। बैठक के साथ स्पष्ट कार्यसूची (एजेंडा) संलग्न करना भी अनिवार्य होगा। बैठक के दौरान किसी भी अतिरिक्त विषय को समिति के अध्यक्ष की पूर्व अनुमति के बाद ही शामिल किया जा सकेगा। प्रत्येक बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही विवरण (मिनट्स) तथा उस पर की गई कार्रवाई का एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, ताकि लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की जा सके। बैठक में लिए गए सभी निर्णयों को कार्यवाही रजिस्टर में दर्ज कर सदस्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा। इसके साथ ही मासिक आय-व्यय तथा खर्च का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया जाएगा।

विद्यालयों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि लंबित मुद्दों के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए और उसके क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए। प्रत्येक विद्यालय में एसएमसी बैठक के लिए अलग रजिस्टर भी संधारित किया जाएगा, जिसमें बैठक की कार्यवाही, उपस्थिति और निर्णयों की स्थिति दर्ज होगी।

नारनौल। मारोली स्कूल का निरीक्षण करते हुए एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने किया स्कूल का निरीक्षण

नारनौल। एसडीएम अनिरूद्ध यादव सोमवार को सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण करने के लिए फिल्ड में निकले। मारोली स्कूल में साफ-सफाई और मिड-डे मील की व्यवस्था में कुछ कमियां पाई गई। मौके पर ही ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज को सख्त निर्देश दिए कि स्कूल की सभी कमियों का नियमित निरीक्षण किया जाए और जल्द ही सुधार की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। स्कूलों में बच्चों की बेहतरी के लिए साफ-सफाई और मिड-डे मील जैसी बुनियादी सुविधाओं पर पूरी सावधानी बरती जाए।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
10 मार्च 2026

सहेली

दांपत्य का रिश्ता बहुत प्यारा,अनूठा होता है। अगर कोई पुरुष अपनी जीवनसंगिनी में केवल पत्नी को ही देखेगा या स्त्री अपने जीवनसाथी में केवल पति को देखेगी तो रिश्ते में एकरसता आएगी ही। ऐसा न हो, दांपत्य सदैव मधुर और रिश्ता हमेशा प्रगाढ़ बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि दोनों आवश्यकतानुसार एक-दूसरे को कभी मां-पिता, कभी फ्रेंड, कभी सहयोगी तो कभी प्रेमी-प्रेमिका होने का एहसास करवाते रहें।

जीवन साथी में उभरती हैं मां-पिता-मित्र-प्रेमी की छवियां

कवर स्टोरी
मेघा राठी

दांपत्य कोई एकरंगी रिश्ता नहीं होता। यह समय, परिस्थिति और भावनात्मक जरूरतों के साथ अपना रूप बदलता रहता है। कभी इसमें मां-पिता जैसा प्रेम-स्नेह उतर आता है, कभी मित्रता की सहजता तो कभी प्रेमी, प्रेमिका जैसा रुमानी आकर्षण। यही अनेक रूप या लचीलापन दांपत्य रिश्ते को जीवित रखता है। पति-पत्नी का रिश्ता जब केवल एक ही रूप में जकड़ जाता है, तब वह बोझिल हो जाता है।

पति-पत्नी के बीच रिश्तों के हों विविध रंगः अनुज और काव्या को देखें। उनकी शादी को बारह वर्ष हो चुके हैं। शुरुआती वर्षों में इनका रिश्ता प्रेम-उत्साह से भरा था, लंबी बातचीत, अचानक बाहर घूमने के प्लान, छोटे-छोटे सरप्राइज। समय के साथ उनकी जिम्मेदारियां बढ़ीं। बच्चे, नौकरी, परिवार, सब कुछ जीवन में आ गया। कभी-कभी अनुज ऑफिस से थककर घर लौटता तो बिना कुछ कहे सोफे पर बैठ जाता, काव्या समझ जाती, बात क्या है। कुछ कहे बिना वह उसके लिए कॉफी बनाकर, उसके पास बैठकर, उसका हाथ थाम लेती या सिर सहला देती। उस पल अनुज को काव्या में अपनी मां की छवि नजर आती, उसे बेहद सुकून महसूस होता। ऐसा भी नहीं कि सिर्फ काव्या ही अनुज का ध्यान रखती थी। कई बार काव्या दिनभर के कामों से थककर चूर हो जाती, तब अनुज रसोई में उसके साथ हाथ बंटाता, बच्चों को पढ़ा देता या घर के दूसरे और काम निपटा देता। प्यार से काव्या के गाल थपथपा कर कहता, 'सब कुछ अकेले मत करो।' उस समय काव्या को अपने पापा याद आ जाते। उसे अनुज के दिए यह अहसास बहुत संबल देते। इसी तरह किसी दिन अनुज-काव्या मित्र बन जाते, खुलकर दोस्तों की तरह बातें करते, हंसते। जब किसी दिन घर में बच्चे ना होते तो दोनों बालकनी में बैठकर चाय पीते, पुराने गीत सुनते, तब वे प्रेमी-प्रेमिका होते, पुरानी यादों के साथ एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करते, रोमांटिक हो जाते। अनुज और काव्या इस बात को जानते थे कि उनका रिश्ता इसलिए गहरा और मजबूत है, क्योंकि उन्होंने अपने रिश्तों को किसी एक ही रूप में रखने की कोशिश नहीं की, उनके रिश्तों में विविध रंग हैं।

पत्नी के स्नेह भाव और ममता से मित्रता तक

पत्नी का स्नेह भाव केवल देखभाल तक सीमित नहीं होता। वह कभी मां सी ममता देती है तो कभी मित्र बनकर पति की बातें सुनती है बिना जज किए, तो कभी प्रेमिका की तरह उसमें आत्मविश्वास जगाती है। यह स्नेह भाव मां के स्नेह का विकल्प नहीं है, उसका परिपक्व रूप है। यहां समझ, संवाद और सीमाएं भी साथ चलती हैं। पत्नी का स्नेह तभी सुंदर रहता है, जब वह अपने अस्तित्व और भावनाओं को खोए बिना दिया जाए।

दंपती तलाशते हैं एक-दूसरे में अपने मां-पिता की छविः हमारा पहला भावनात्मक जुड़ाव अपने मां-पिता से होता है। मां से हमें सुरक्षा, पोषण और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, जबकि पिता से दिशा, भरोसा और स्थिरता का अनुभव। यही अनुभव हमारे अवचेतन में गहरे बैठ जाते हैं। जब व्यक्ति वयस्क जीवन में प्रवेश करता है, अपना जीवनसाथी चुनता है तो अनजाने में वह उन्हीं परिचित भावनात्मक अनुभवों को फिर से महसूस करना चाहता है। इसलिए कई बार पति अपनी पत्नी में मां की छवि खोजता है, जो उसे थाम ले, समझे और सुरक्षित महसूस कराए। वहीं पत्नी अपने पति में पिता समान स्थिरता, संरक्षण और भरोसे की अनुभूति ढूंढ़ती है। यह तलाश स्वाभाविक है, क्योंकि मन अपने पुराने सुरक्षित अनुभवों की ओर लौटना चाहता है। समस्या तब होती है, जब यह तलाश हमेशा के लिए एक अपेक्षा बन जाए। पति हर समय पत्नी से मां जैसी ममता की चाहत करे या पत्नी, पति से हर क्षण पिता जैसा संरक्षण चाहे तो दांपत्य जीवन में एक दबाव आ जाएगा। इसलिए एक संतुलन जरूरी है, इससे दांपत्य रिश्ता कभी बोझिल नहीं लगेगा।

पति का स्नेह देता है सुरक्षा, भरोसा और सम्मान भावः दांपत्य में स्नेह केवल पाने का नाम नहीं। पति भी पत्नी के लिए पिता समान सुरक्षा, मित्र समान भरोसा और प्रेमी-समान अपनेपन के भाव देता है। जब वह पत्नी के निर्णयों का सम्मान करता है, उसकी भावनाओं को हल्के में नहीं लेता, उसके सपनों में सहभागी बनता है, ऐसे में उसका स्नेह गहरा और अर्थपूर्ण हो जाता है। पति का स्नेह तब और गहरा, मजबूत हो जाता है, जब वह केवल जिम्मेदारियों तक सीमित न रहे, भावनात्मक रूप से भी उपस्थित रहे। अपनी पत्नी को संबल प्रदान करे।

प्रेमी-प्रेमिका जैसा व्यवहार है दांपत्य की प्राणवायुः देखा यही जाता है कि लंबे वैवाहिक जीवन में सबसे पहले जो खोता जाता है, वह है प्रेमी-प्रेमिका वाला व्यवहार। जबकि सच यह है, यही तत्व दांपत्य को जीवंत बनाए रखता है। एक-दूसरे की तारीफ करना, साथ समय बिताना, हल्की छेड़छाड़, स्पर्श की भाषा और भावनात्मक निकटता, ये सब रिश्ते में ऊर्जा भरते हैं।

जब पति-पत्नी यह मान लेते हैं कि अब प्रेम बनाए रखने के लिए किसी तरह के प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है, प्रेम तो हमेशा ऐसा ही रहेगा, तब धीरे-धीरे प्रेम घटने लगता है, दूरी बनने लगती है। प्रेम को भी समय, प्रयास और सजगता चाहिए।

अनजाने में उभरी छवियां ही रिश्ते को बनाती हैं मजबूतः जब पति-पत्नी अनजाने में एक-दूसरे के लिए मां या पिता जैसी भूमिका निभाते रहते हैं, तब रिश्ता भीतर से मजबूत हो जाता है। क्योंकि यह भूमिका मांगी हुई नहीं होती, परिस्थिति से सहज भाव से उपजी होती है। ऐसे क्षणों में अहं नहीं होता, केवल संवेदनशीलता होती है। लेकिन यही छवियां अगर जान-बूझकर खोजी जाएं, जुमले बोले जाएं, 'तुम मेरी मां की तरह क्यों नहीं हो' या 'तुम मेरे पिता जैसे क्यों नहीं हो' तो रिश्ते में तुलना, शिकायत और असंतोष को जन्म देती है, क्योंकि जीवनसाथी माता-पिता का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए स्वस्थ दांपत्य में ये छवियां सहज रूप से आती-जाती हैं, इनका आना-जाना ही ज्यादा दांपत्य रिश्ते को खूबसूरत बनाता है।

जरूरी है भूमिकाओं का संतुलनः दांपत्य की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी बहुरूपता है। कभी पति-पत्नी मित्र होते हैं, कभी माता-पिता, कभी प्रेमी-प्रेमिका और कभी केवल सहयात्री। यदि इन भूमिकाओं को लचीलेपन के साथ अपनाया जाए तो रिश्ते कभी बोझ नहीं बनते। एक ही भूमिका की अपेक्षा रखना रिश्ते को सीमित कर देता है। स्नेह तब परिपक्व हो जाता है, जब उसमें बराबरी, संवाद और साझा जिम्मेदारी हो। पति-पत्नी आनंद से तब साथ रह पाते हैं, जब वे एक-दूसरे की परवाह को कर्तव्य नहीं, प्रेम समझते हैं। कभी एक आगे बढ़कर थाम लेता है, कभी दूसरा। कभी प्रेमी बनकर रोमांच रचते हैं, कभी मित्र बनकर हंसते हैं तो कभी माता-पिता जैसी कोमलता में एक-दूसरे को संबल देते हैं। दांपत्य का मनोविज्ञान यही सिखाता है कि ऐसा संतुलन ही इसे प्रगाढ़ और मधुर बनाता है।

घर में भी रहें सजी-संवरी

अधिकतर होममेकर्स घर में रफ-टफ ढंग से रहती हैं। उन्हें मेकओवर करना गैरजरूरी लगता है, जबकि घर में सज-संवर कर रहने से न केवल कॉन्फिडेंस बढ़ता है, आप हैप्पी-एनर्जेटिक भी फील करती हैं।

सेल्फ केयर
चैतन्या

हमारे घरों में होममेकर महिलाओं का रुटीन आमतौर पर नीरस सा होता है। यह केवल जिम्मेदारियों की भागदौड़ के चलते ही नहीं होता। स्वयं की अनदेखी भी इसके पीछे एक बड़ा कारण है। घर तक सिमटकर रहने वाली महिलाएं अपनी संभाल-देखभाल करना ही भूल जाती हैं। सोचने वाली बात है कि तैयार होकर रहने के लिए घर से बाहर जाने की शर्त ही क्यों हो? घर के काम-काज करते हुए भी खुद को सजा-संवरा रखा जा सकता है। इसके कई फायदे हैं।

आत्मविश्वास की सौगातः सेल्फ केयर से आत्मविश्वास बढ़ता है। इसलिए गृहणियां भी अच्छी दिनचर्या बनाकर अपनी केयर के लिए कुछ समय जरूर निकालें। काम-काजी महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होकर निकलती हैं। पर प्रायः होममेकर्स, सुबह से शाम तक खुद को ठीक से आईने में भी नहीं देखतीं। धीरे-धीरे यह रुटीन पूरे व्यक्तित्व को ही नीरस बना देता है। ऐसे में जरूरी है कि घर के कोने-कोने का मेकओवर करने वाली स्त्रियां खुद को न भूलें। सेल्फ केयर को भी तवज्जो दें। सहज ढंग से घर में भी तैयार होकर रहें। बालों को संवारकर रखें। ये सभी बातें आपका आत्मविश्वास तो बढ़ाएंगी ही मानसिक सुकून भी देंगी।

फील करेंगी एक्टिव-एनर्जेटिकः घर की चारदीवारी के भीतर का मोनोटोनस रुटीन, गृहणियों को थके मन और बिखरे से जीवन की ओर ले जाता है। ऐसे में गृहणियों को यह समय रहते समझना होगा कि यह दिनचर्या कोई एक-दो दिन या कुछ महीनों की बात नहीं होती। जब जीवन ही घर-आंगन में बीतना है तो क्यों ना खुद की देखभाल भी रोजमर्रा के रुटीन का हिस्सा हो! अपनी पसंद के मुताबिक सज-संवरकर रहा जाए। अच्छे से तैयार होकर रहना मानसिक रूप से भी ताजगी देता है। अपने ही व्यक्तित्व के प्रति पॉजिटिव फीलिंग बढ़ती है। इसीलिए घरेलू कामों में भी अपनी ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान जरूर दें। नियमित अच्छी ड्रेसेस पहनने से आप खुद को एक्टिव भी रख सकेंगी।

बच्चों के व्यक्तित्व पर असरः होममेकर मांओं के लाइफस्टाइल का असर बच्चों के व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। आपकी सेल्फ केयर से बच्चे भी ऐसा करना सीखते हैं। खुद का ख्याल रखने वाले बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं। अपनी साज-संवार का ध्यान रखते हैं। निष्क्रिय बनने के बजाय एक्टिव और अलर्ट व्यक्तित्व के धनी बनते हैं। इसीलिए बच्चों की बेहतरी के लिए भी खुद को सभालें।

बच्चे और आप
विधि गोयल

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं। जहां कई बच्चे आसानी से अनजान लोगों के साथ बातचीत कर लेते हैं, अपनी बात कह लेते हैं, वहीं कुछ बच्चे लोगों से बात नहीं कर पाते या झिझकते हैं। ऐसे बच्चों की इस झिझक को आसानी से दूर किया जा सकता है।

बच्चे की वीक कम्युनिकेशन स्किल आसानी से कर सकते हैं इंप्रूव

सभी पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे क्लास में अच्छा परफॉर्म करें, कॉन्फिडेंट बनें, स्कूल, कॉलेज में लीडिंग रोल्स में रहें। लेकिन कुछ बच्चे वीक कम्युनिकेशन स्किल की वजह से दूसरों से बात करने में झिझकते हैं। इससे उन्हें पर्सनल लाइफ ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी ग्रो करने में परेशानी होती है। तो ऐसे में परेशान होने के बजाय कुछ बातों पर पैरेंट्स को अमल करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किस तरह बच्चों में बातचीत यानी कम्युनिकेशन स्किल्स को स्ट्रॉन्ग कर सकते हैं?

स्क्रीन टाइम करें मैनेजः स्मार्ट फोन, टीवी स्क्रीन और ऑनलाइन गेम्स में बच्चों की जरूरत से ज्यादा सक्रियता के चलते भी बच्चे अपनी ही दुनिया में व्यस्त रहते हैं। इस कारण उन्हें अन्य बच्चों और घर में आए मेहमानों से, बाहर लोगों से मेलजोल करने में झिझक होती है। इसलिए बच्चों के अंदर बातचीत या सोशल स्किल्स सिखाने के लिए जरूरी है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम मैनेज किया जाए और उन्हें लोगों से मिलना-जुलना, अपनी बात कहना, सिखाया जाए। कम्युनिकेशन सिखाने की शुरुआत के लिए बच्चों के उम्र के ही दूसरे बच्चों को घर में बुलाएं। अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलकर और बातचीत करके बच्चों के लिए घुलना-मिलना आसान हो जाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर होती हैं।

घर से करें शुरुआतः बच्चों को कुछ भी नया सिखाने से पहले अपने बच्चों को वह जैसा है, उसे स्वीकार करें। पैरेंट्स बच्चे के सामने बार-बार यह न कहें कि ये तो बहुत शर्माता है, किसी से बात नहीं करता तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है। इससे वे बेहतर तरीके से कम्युनिकेशन करना सीख नहीं पाएंगे। अगर कोई बच्चा अनजान लोगों से बात करने में डरता है तो उस डर को एकदम से खत्म नहीं किया जा सकता। बातचीत की शुरुआत खुद और घर के अन्य मेंबर्स से करें। उनकी पसंद की बातें करें, इससे बच्चों के अंदर बात करने का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और धीरे-धीरे घर से बाहर के लोगों से भी बात करने में उसका डर भी घटेगा।

कर सकते हैं एक्टिंगः पैरेंट्स एक्टिंग वाला कोई प्ले खेल सकते हैं। इसमें आप टीचर, शॉप-कीपर बन सकते हैं और बच्चा स्टूडेंट या खरीददार बन सकता है। ऐसा करने से बच्चे के साथ इंट्रैक्ट करने पर बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और वह दूसरों से बातचीत करने की स्किल भी सीखेगा।

बच्चे को प्रिपेयर करें: अगर घर में गेस्ट आने वाले हैं या आप किसी के घर मेहमान बन कर जाने वाले हों तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे बताएं कि आपको किसी से मिलना है तो कैसे उन्हें विश करना है, नमस्ते या हाय हैल्लो कहना है? इंट्रोवर्ट बच्चों को अचानक यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दूसरों के सामने कैसे बिहेव करना है? इसीलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करने से बच्चे बातचीत करने में झिझकते नहीं हैं।

खिलौने हो सकते हैं सहायकः छोटे बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने के लिए टॉयज की मदद ली जा सकती है। शुरुआती दौर में बच्चों के पसंदीदा खिलौने को चुनकर बच्चों को बातचीत करना सिखा सकते हैं। इस तरह की बातचीत से बच्चों को खुशी, डर, भय, अकेलापन, दुःख जैसे इमोशंस भी सिखा सकते हैं। टॉय टॉक बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने का एक इफेक्टिव तरीका है। ऐसा करने से बच्चा खेल-खेल में कम्युनिकेशन करना सीख जाता है।

कहानियों के माध्यम से सिखाएंः बच्चों को कहानी सुनना बहुत अच्छा लगता है। कहानी सुनाते समय बच्चे से कहानी के बारे में सवाल-जवाब करें और उन्हें कहानी को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें।

(पैरेंटिंग कंसल्टेंट डॉ. शिल्पा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर
नीलोफर

स्किन केयर के लिए परफेक्ट मानी जाती है हल्दी

अपने देश में केवल खाने में ही नहीं बल्कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी हल्दी का खूब इस्तेमाल होता है। चेहरे की रंगत निखारने में हल्दी काफी उपयोगी होती है। इसीलिए मैरिज के अवसर पर दूल्हा-दुल्हन के रंग-रूप को निखारने के लिए हल्दी से बने उबटन का उपयोग किया जाता है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं। इसीलिए कई प्रॉब्लम्स में कारगर होती है।

निखार के लिएः हल्दी का चमकीला पीला रंग उसमें मौजूद करक्यूमिन नामक तत्व के कारण होता है। यह त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों और पर्यावरणीय प्रदूषकों से हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह स्किन की डेड सेल्स की मरम्मत करके उसमें निखार लाता है। यही वजह है हल्दी त्वचा की देखभाल के लिए यूजफुल मानी जाती है।

मुंहासों से बचाएः हल्दी में मौजूद करक्यूमिन तत्व मुंहासों से बचाता है। जब हमारी त्वचा के रोमछिद्र, ऑयल, डेड स्किन और बाहरी प्रदूष से बंद हो जाते हैं तो चेहरे पर ब्लैक हेड्स, व्हाइट हेड्स और मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हल्दी, त्वचा में सीरम के उत्पादन को नियंत्रित करने का काम करती है। यही वजह है कि चेहरे पर हल्दी और बेसन को मिलाकर लगाने से मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है।

पिग्मेंटेशन से बचाएः लगातार सूरज की किरणों के संपर्क में रहने से हमारी त्वचा में पिग्मेंटेशन हो सकता है। सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से अगर सुरक्षा के लिए उपाय न किए जाएं तो त्वचा समय से पहले एजिंग का शिकार होने लगती है। त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं और उसकी चमक खत्म हो जाती है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन इस नुकसान से लड़ने और फ्री रेडिकल्स को लड़ने में मदद करता है।

लाभकारी है हल्दीः हल्दी में अनेक एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिससे यह त्वचा को भरपूर पोषण देने के साथ-साथ एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से संपन्न होती है। मुंहासों से बचने के लिए ही नहीं बल्कि मुंहासों के निशानों को मिटाने के लिए भी त्वचा पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रेच मार्क, त्वचा में सूजन, त्वचा का बदरंग होना, इन सभी के लिए यह लाभकारी होती है।

पैच टेस्ट जरूर करें: स्किन ब्यूटी को निखारने के लिए हल्दी के अनेक फायदे हैं। इसका सही फायदा लेने के लिए जहां तक संभव हो हल्दी जैविक, प्राकृतिक और मिलावट रहित होना चाहिए। इसलिए जब भी उबटन बनाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल किया जाए, उसका पैच टेस्ट फेस से पहले हाथ की स्किन पर जरूर करना चाहिए ताकि सीधे चेहरे की त्वचा पर इसे लगाने से कोई नुकसान न हो।

डाइट एडवाइस
डॉ. माजिद अलीम

अकसर हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द होना, कमजोर दांत-नाखून, हेयर फॉलिंग या पीरियड्स के दौरान दर्द, कैल्शियम की कमी से हो सकता है। अपनी डाइट में सुधार कर शरीर में होने वाली कैल्शियम की कमी को दूर कर सकती हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी को ऐसे करें दूर

कैल्शियम एक ऐसा महत्वपूर्ण खनिज है, जो हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह हमारी मांसपेशियों के संकुचन, खून के थक्के जमने के लिए भी जरूरी होता है। अकसर 14 से लेकर 17 साल के आयुवर्ग की लड़कियों में और मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी देखी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां के शरीर में कैल्शियम की कमी हो तो इससे बच्चें के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर होता है। मानव शरीर कैल्शियम उत्पादित नहीं करता, इसलिए हमें अपने आहार से ही इसे पूरा करना होता है।

इसलिए होती है कमीः महिलाओं में कैल्शियम की कमी का सबसे बड़ा कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही होती है। इसके अलावा खराब जीवनशैली, रेडी टू ईट फूड का सेवन, संतुलित आहार की कमी, खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण भी इसकी कमी देखी जाती है। कैल्शियम युक्त भोज्य पदार्थों की कमी, विटामिन-डी की कमी, मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालने वाली दवाओं के सेवन, डेयरी उत्पादों का कम सेवन जैसी तमाम वजहों से उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षणः कैल्शियम हड्डियों और दांतों की सेहत के लिए जरूरी तो है ही, यह नाखूनों को मजबूती देता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, थकावट, दिल की धड़कन बढ़ना, पीरियड्स के दौरान अधिक दर्द होना, बालों का झड़ना, त्वचा का सूखापन, नाखूनों का कमजोर होकर बार-बार टूटना, दांतों का कमजोर होना, जोड़ों में दर्द, याद्दाश्त में कमी, नींद में परेशानी, कब्ज, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कमी ऐसे करें दूरः शरीर में कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए ऐसे आहार का सेवन करें, जो कैल्शियम से भरपूर हों।

पालकः 100 ग्राम पालक में 90 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। पालक को सिर्फ एक मिनट उबालकर सेवन करना चाहिए।

सोयाबीनः 100 ग्राम सोयाबीन में तकरीबन 175 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सोयाबीन से बना दूध, टोफू, दही भी फायदेमंद है।

रागीः 100 ग्राम रागी में तकरीबन 370 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। रागी के आटे से कई प्रकार के व्यंजन बनाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

मेथी के पत्ते-बीजः 100 ग्राम मेथी के पत्तों में 150 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। मेथी के पत्तों का इस्तेमाल करी, दाल, चावल, कर सकते हैं।

खट्टे फलः खट्टे फलों में विटामिन-सी के साथ कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

बादामः प्रति 100 ग्राम बादाम में 264 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। प्रतिदिन पांच भीगे बादाम की गिरि खाली पेट खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा कोमल और बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

काले चनेः ड़ेढ कप काले चने में 315 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। उबले हुए काले या सफेद चने में औसतन एक बाउल में 80 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

दहीः 100 ग्राम दही में 85 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

चिया सीड्सः 100 ग्राम चिया सीड्स में लगभग 630 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

धूप का सेवनः महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम की अपूर्ति के लिए कैल्शियमयुक्त आहार की जरूरत के साथ-साथ सुबह की धूप भी सेकना जरूरी है। क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण के लिए जरूरी होता है।

खबर संक्षेप

गौरव व चंचल ने की सीए फाउंडेशन की परीक्षा पास

नारनौल। अटेली के गांव कटकई के रहने वाले गौरव और चंचल शर्मा ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा पास करके अपने परिवार और स्कूल का नाम रोशन किया है। इन दोनों सगे बहन-भाइयों की इस बड़ी उपलब्धि पर ग्लोबल पब्लिक स्कूल कलवाड़ी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक और मैनेजमेंट ने गौरव और चंचल को फूल माला पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया।

ढाकोड़ा दंगल में कामड़े की कुश्ती बराबरी पर छूटी

नांगल चौधरी। ढाकोड़ा आश्रम के महंत रामनरेशदास की अध्यक्षता में ग्रामीण मेला व दंगल आयोजित किया गया। जिसमें राजस्थान, यूपी, पंजाब, हिमाचल समेत 10 राज्यों के पहलवानों ने पंजीकरण कराया। रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा व विधायक मंजू चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रही। उन्होंने दंगल परंपरा को विकसित करने तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। ढाकोड़ा आश्रम में बीते कई दशकों में मेला तथा दंगल की परंपरा बनी हुई है।

अनाज मंडी में किया वाटर कूलर का उद्घाटन

कनीना। नई अनाज मंडी चेलावास में रबी फसल की खरीद शुरू होने से पूर्व सोमवार को वाटर कूलर की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन मार्केट कमेटी के चेयरमैन जेपी यादव कोटिया ने किया। चेलावास निवासी चौधरी धर्मपाल सिंह की ओर से अपने पिता चिरंजीलाल की स्मृति में यह वाटर कूलर स्थापित किया गया है।

राजस्थान विधायकों का किया अभिनंदन

नारनौल। अटेली में राजस्थान के किशनगढ़ एवं श्रीकरणपुर विधायक का अभिनंदन किया गया। अधिवक्ता कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि विशेष कार्य के लिए दौरे पर निकले दोनों विधायक व अन्य गणमान्य नेताओं का अटेली में एक निजी रिसोर्ट में अभिनंदन किया गया। इंजीनियर लोकांश भारद्वाज ने बताया कि किशनगढ़ अजमेर के विधायक डॉ. विकास चौधरी कांग्रेस पार्टी के अजमेर ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी है।

बासौड़ा पर शीतला माता मंदिर में लगा श्रद्धालुओं का मेला

नूनी सेखपुरा के शीतला माता मंदिर में मनाया 'बासौड़ा

महिलाओं ने बासी भोजन का प्रसाद ग्रहण कर मांगी परिवार की सुख-समृद्धि

नारनौल। मंदिर में शीतला माता का पूजन करते श्रद्धालु नर-नारियां, माता के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लगी लाइनें, मेले में दैनिक उपयोग का सामान खरीदती ग्रामीण महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

क्षेत्र के नजदीकी गांव नूनी सेखपुरा में 'बासौड़ा पर्व' श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव के प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर में शहरी एवं ग्रामीण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और दिनभर मंदिर परिसर में मेला लगा रहा। परिवार की महिलाओं, बच्चों तथा बुजुर्गों ने मां शीतला के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

बासौड़ा पर्व को लेकर गांव में एक दिन पहले से ही विशेष तैयारियां शुरू हो गई थीं। परंपरा के अनुसार बीती शाम गांव की गृहणियों ने बासौड़ा पर्व के लिए प्रसाद और भोजन तैयार किया। इस दिन घरों में गुलगुले, मीठे चावल तथा भीगे हुए बाजरे सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए गए। मान्यता के अनुसार बासौड़ा के दिन सवेरे ताजा भोजन नहीं बनाया जाता, बल्कि एक दिन पहले तैयार किए गए भोजन को ही प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

सोमवार सुबह परिवार की महिलाओं ने तड़के उठकर स्नान किया और सबसे पहले उस स्थान पर पूजा अर्चना की, जहां होली के अवसर पर होलिका दहन किया गया था। महिलाओं ने वहां जाकर विधि-विधान से पूजा की और अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद महिलाएं और अन्य श्रद्धालु गांव में स्थित शीतला माता मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माता के दर्शन कर प्रसाद अर्पित किया।

भोर के समय ही मंदिर पहुंचने लगे श्रद्धालु

मंदिर परिसर में भोर के समय से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। गांव नूनी सेखपुरा के अलावा आसपास के क्षेत्रों से तथा नारनौल शहर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंचे। मंदिर में गुलगुले, चावल और भीगे हुए बाजरे का प्रसाद चढ़ाया गया। माता को हल्दी का तिलक लगाया गया। श्रद्धालुओं ने माता के जयकारे लगाए और विधिवत पूजा कर अपने परिवार के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। बच्चों और महिलाओं में विशेष उत्साह नजर आया। श्रद्धालु माता के दर्शन करने के बाद मंदिर परिसर में कुछ समय तक रुककर धार्मिक वातावरण का आनंद लेते रहे। मंदिर में भक्ति और आस्था का माहौल पूरे दिन बना रहा।

धूमधाम से मनाया पर्व

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा में बासोड़ा पर्व सोमवार को बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। डोबा वाली माता को रात के बने भोजन का प्रसाद चढ़ाया तथा सुख शांति और समृद्धि की कामना के साथ-साथ मन्नतें मांगी। सामाजिक कार्यकर्ता सुजान मालड़ा ने बताया कि बासोड़ा का पर्व हमारी पुरानी संस्कृति से जुड़ा हुआ पर्व है। होली से एक सप्ताह बाद गांव के हर घर में रात्रि को बाजरा युक्त मांड मार मीठे चावल, गुलगुले व पकौड़े आदि पकवान बनाते है। रात्रि के बने भोजन को दूसरे दिन की सुबह सबसे पहले माता डोबा वाली को चढ़ाया जाता है। दिन के पहले पहर सुबह चार बजे ही महिलाएं उठकर अपनी पारंपरिक वेशभूषा जैसे पेटिकोट, ब्लाउज और पीलिया ओढ़कर, साड़ी व सूट पहनकर

महेंद्रगढ़। माता की पूजा करती

और प्रसाद की परातीं को सिर पर उठाकर और बच्चों को साथ लेकर माता को प्रसाद चढ़ाती है। उसके बाद शेष भोजन को परिवार के लोग खाते है। इस दिन ताजा भोजन दोपहर को बनाए जाने की परंपरा शुरू हो जाती है। इस दिन के बाद से दलिया, जौ से बनी राबड़ी, लस्सी, दही के साथ अंगाकड़े का सेवन किया जाता है। गांवों के लोग गर्मी के मौसम में प्याज का अधिक सेवन सुबह सुबह बासी रोटी के साथ करते है। जो गर्मी से बचाव का रामबाण औषधि है।

नारनौल। जनसम्पर्क करती जेजेपी महिला कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम के लिए जेजेपी ने किया जनसम्पर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जननायक जनता पार्टी की महिला जिला प्रधान सोनिया धनखड़ ने कहा कि 13 मार्च को हांसी में आयोजित होने वाला कार्यक्रम हरियाणा की राजनीति में बड़ा संदेश देने वाला होगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिवस को जनसरोकार दिवस के रूप में ऐतिहासिक तरीके से मनाने के लिए जेजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी है। जेजेपी जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि इसी कड़ी में सोनिया धनखड़ ने अपनी महिला टीम के साथ जिले के थाना, धानोता, मक्शुसपुर आदि गांवों का दौरा कर महिलाओं से संपर्क किया और उन्हें 13 मार्च को हांसी पहुंचने का आह्वान किया।

हांसी की ऐतिहासिक रैली में पहुंचेंगी महिलाएं

उन्होंने कहा कि जिले से हजारों महिलाएं हांसी की इस ऐतिहासिक रैली में पहुंचकर जेजेपी की ताकत का प्रदर्शन करेंगी। सोनिया धनखड़ ने कहा कि यह रैली केवल जन्मदिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता के हक व जनसरोकारों की आवाज बुलंद करने का मंच बनेगी। हांसी की यह रैली हरियाणा की अब तक की सबसे बड़ी रैली साबित होगी। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं व गरीब वर्ग की आवाज उठाई है। इस मौके पर सुनीता, मीनू स्वामी, सरोज, अंजू, संतोष, नीलम चिंडालिया आदि मौजूद थी।

भांखरी की अनु यादव ने जेआरएफ में पाई 134वीं रैंक

नारनौल। गांव भांखरी की अनु यादव ने दिसम्बर 2025 में आयोजित सीएसआईआर यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में 134वीं रैंक प्राप्त कर

अपने परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और लोगों ने उन्हें बधाई दी। अनु यादव ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी माता सुमन देवी व पिता गुलाब सिंह तथा अपने गुरुओं के मार्गदर्शन को दिया। अनु ने अपनी स्कूली शिक्षा आरपीएसएस महेंद्रगढ़, बीएससी व एमएससी मैथ ऑनर्स की डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय से हासिल की। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य भविष्य में पीएचडी कर शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देना है। उनकी सफलता से क्षेत्र के युवाओं को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेंगी।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका ने रचा सफलता का इतिहास

नारनौल। श्रीकृष्ण स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित सीए फाउंडेशन व सीएस परीक्षा 2025-26 में विद्यालय के पांच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर अपनी मेहनत का परिचय दिया है। विद्यालय की छात्रा प्रियंका पुत्री मनोज कुमार, प्रिया पुत्री राजेश यादव, प्रियंका पुत्री होशियार सिंह, कृष्ण पुत्र अनिल कुमार व पलक पुत्री दलीप सिंह ने सीए फाउंडेशन परीक्षा को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव व उप प्राचार्य संदीप खैरवाल ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मॉडर्न स्कूल के 5 विद्यार्थियों ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पांच विद्यार्थियों ने सीए फाउंडेशन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय तथा पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप तंवर ने बताया कि इस वर्ष सीए फाउंडेशन की परीक्षा में विद्यालय के पांच मेधावी विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। जिसमें कनुप्रिया पुत्री सतीश, स्नेहा पुत्री प्रवीण कुमार, खुशबू पुत्री दीनदयाल, नवीन शर्मा पुत्र कृष्ण कुमार तथा सौरव गुप्ता शामिल हैं। इन सभी छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्राचार्य ने बताया कि इन विद्यार्थियों की सफलता अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए भी प्रेरित और मार्गदर्शन दिया जाता है, जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है। चेयरमैन सतन सिंह ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय हमेशा से ही विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और सही दिशा देने के लिए प्रयासरत रहा है। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

नकुल | कोमल | टीशा

हैप्पी के तीन छात्रों ने सीए फाउंडेशन में पाई सफलता

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की छात्रा टीशा पुत्री संदीप अग्रवाल, कोमल पुत्री दीनदयाल तथा छात्र नकुल पुत्र सतीश कुमार ने प्रतिष्ठित सीए फाउंडेशन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। क्षेत्र में सबसे अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट देने का गौरव भी हैप्पी एवरग्रीन विद्यालय को ही प्राप्त है। विद्यार्थियों की इस सफलता में विद्यालय के कॉमर्स अध्यापक पवन कुमार और संतोष यादव का विशेष मार्गदर्शन और योगदान रहा। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल तथा प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रमाण हैं। विद्यालय प्रबंधन ने आशा व्यक्त की कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हुए विद्यालय, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेंगे।

ऐतिहासिक होगा इनेलो युवा सम्मेलन: शर्मा

■ अनाज मंडी में हुई जिलास्तरी कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा।

इंडियन नेशनल लोकदल के नेशनल पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य, पूर्व विधायक व जिला रेवाड़ी, हलका नारनौल व नांगल चौधरी प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने कहा कि 23 मार्च को शहीदी दिवस पर नरवाना की नई अनाज मंडी में होने वाला युवा सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। शर्मा सोमवार को अनाज मंडी में जिला स्तर की कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले की चारों विधानसभाओं से हजारों की संख्या में लोग नरवाना में इस सम्मेलन के माध्यम से शहीदों को नमन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुटबाजी में उलझ कर विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रही है। वही विपक्ष की भूमिका इनेलो ही पुरजोर तरीके से प्रदेश के हितों के लिए संघर्ष कर रही है। इस दौरान अनेक युवाओं ने पटका पहनकर पार्टी का दमान थामा। इस अवसर पर जिला महेंद्रगढ़ के प्रभारी पूर्व विधायक रणबीर मदोला ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से फैल साबित हुई है, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है, वही किसान बर्बाद हो गए, बीपीएल कार्ड धारकों नाम काटे जा रहे है।

400 वाहनों का लक्ष्य

जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जिले से 400 वाहनों का लक्ष्य रखा गया है और चारों विधानसभाओं में अलग अलग टीम बना दी गई है, जो गांव गांव जाकर रैली के लिए जनसम्पर्क कर लोगों को रैली में पहुंचने का न्यौता देंगे। इस मौके पर सतबीर बडेसरा, छोटेलाल गहली, युवा जिला प्रधान दीपक यादव, नवनीत ढिल्लो, बल्ली शेखावत, सत्यनारायण गुप्ता, बिल्लू चेयरमैन, नरसिंह दायमा, हलका प्रधान लालसिंह तंवर, सतपाल छिलरो, कप्तान युद्धवीर मोखुता, केदार गर्ग, वेदप्रकाश नम्बरदार, धर्मपाल शर्मा, उर्मिला यादव, जयसिंह शेखावत, दिग्विजय सिंह, सत्यनारायण सैनी, करण सिंह यादव, मुकेश नंबरदार आदि उपस्थित थे।

रसोई गैस कीमतों को वापस लेने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता अतरलाल एडवोकेट ने केन्द्र सरकार से घरेलू और कर्मिशयल रसोई गैस सिलेण्डर की कीमतों में की गई वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने सरकार के इस निर्णय के विरोध में आगामी 23 मार्च से गांवों में विरोध सभाएं आयोजित करने की घोषणा की है। अतरलाल ने झाड़ली, भड़फ व गाहड़ा गांव में लोगों से जनसम्पर्क करते हुए कहा कि रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि करने से जनता में भारी रोष व्याप्त है। केन्द्र सरकार का यह निर्णय गरीब विरोधी व महिला विरोधी है। सरकार ने एक साल के अंदर दूसरी बार एलपीजी के दामों में वृद्धि कर यह साबित कर दिया है कि उसे गरीबों की चिंता नहीं है। रसोई गैस सिलेण्डर की कीमतों में 60 रुपये की वृद्धि से घरों की रसोई पर सीधा असर पड़ा है। जिससे महिलाओं व उपभोक्ताओं की परेशानियां बढ़ गई हैं।

बीजेआरडी स्कूल रिवासा के छात्र पीयूष ने पास की सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्र को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पिछले दिनों घोषित हुए ऑल इंडिया सैनिक स्कूल परीक्षा में बीजेआरडी स्कूल रिवासा के छात्र पीयूष पुत्र अजीत कुमार ने 300 अंक में से 267 अंक प्राप्त कर स्कूल के साथ-साथ माता-पिता का नाम भी रोशन किया।

पीयूष द्वारा अर्जित सफलता पर विद्यालय प्रबंधन ने मेडल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। चेयरपर्सन शीला राव ने बच्चे के साथ-साथ उसकी तैयारी करवाने वाले शिक्षकों का भी धन्यवाद प्रकट किया।

निदेशक राजपाल यादव ने कहा इस तरह से स्कूल की पढ़ाई साथ-साथ सैनिक स्कूल में चयन होना, अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेश सैनी, पीआरओ बिजेंद्र सिंह, मंजीत मलिक, शिवराज यादव, अमिता यादव एवं सीमा शर्मा मौजूद रहे।

हुडा सेक्टर में आयोजित हुआ द्वितीय वार्षिक प्रोग्राम

महिला दिवस पर लगा सेवानिवृत्त भू-वैज्ञानिकों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे सेवानिवृत्त भू वैज्ञानिक। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश सरकार से सेवानिवृत्त भू-वैज्ञानिक संगठन की ओर से आयोजित द्वितीय वार्षिक प्रोग्राम हुडा सेक्टर में आयोजित किया गया। जिसमें हरियाणा व दूसरे प्रांतों से आए सेवानिवृत्त भू-वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

इस वार्षिक कार्यक्रम की संगोष्ठी में वीएस बिश्नोई गुरुग्राम, एनके खट्टर रोहतक, शरद चंद संघी गुरुग्राम, एसएस यादव नारनौल, डॉ. अशोक यादव गुरुग्राम, बीके वशिष्ठ जयपुर, वीएस यादव गुरुग्राम, एमएस लंबा नारनौल, वीएस बिश्नोई जिरकपुर मोहाली, किशोर जैन नारनौल, वासुदेव यादव नारनौल, राकेश चौधरी पंचकूला, वेदप्रकाश शर्मा नारनौल, सत्येंद्र यादव कुरुक्षेत्र, भरदेश यादव गुरुग्राम, राकेश कुमार स्थानीय हाइड्रोलॉजिस्ट, रविंद्र चौधरी नारनौल ने भाग लिया। जिन्होंने शहर के ऐतिहासिक स्थलों/इमारतों जल महल, अली जां की बावड़ी, हनुमान जी मंदिर रघुनाथपुरा, चोर गुंबद का भ्रमण किया तथा इस क्षेत्र के पुराने जमाने की वाटर बॉडीज व वर्तमान स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिला महेंद्रगढ़ की भूमिगत जल स्थित, जो पहले काफी खराब स्थिति में थी, अब वह नहरी पानी की अधिक मात्रा, पुराने पंप मोटर आदि के नवीनीकरण तथा अटल भूजल योजना के सफल क्रियान्वन के कारण भूमिगत जल की स्थति में काफी सुधार आया है। जिसके लिए वह प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते है।

गीत के माध्यम से किया मेहमानों का स्वागत

मेहमानों का डॉ. कृष्णा आर्या ने गीत के माध्यम से स्वागत किया। वीएस विशनोई ने दीप प्रज्ज्वलित किया। अनीता चौधरी व शीला शर्मा ने तिलक लगा व पुष्प देकर अगतुकों का स्वागत किया। अंत में सभी वैज्ञानिकों ने भूजल से संबंधित किसी भी विषय पर सरकार की ओर से सहयोग मांगे जाने पर सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर मधु वशिष्ठ, मीनू बिश्नोई, चित्रा विश्नोई, अंजू, सतोष यादव, चित्रा जैन आदि भी उपस्थित रही।

रोटरी क्लब रॉयल्स ने टीम इंडिया की जीत पर बांटे लड्डू

नारनौल। रोटरी क्लब रॉयल्स ने टीम इंडिया की ऐतिहासिक टी 20 वर्ल्ड कप जीत की खुशी में शहर के मोहिनी गली पर लड्डू बांटकर कर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने राहगीरों, दुकानदारों व आम नागरिकों को लड्डू बांटकर भारत की इस शानदार जीत की खुशी साझा की। कार्यक्रम के दौरान पूरे माहौल में देशभक्ति व उत्साह का वातावरण देखने को मिला। लोगों ने टीम इंडिया की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए खिलाड़ियों की मेहनत व समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर रोटरी क्लब रॉयल्स के प्रधान दिनेश भार्गव ने कहा कि टीम इंडिया की यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। क्लब सचिव सत्यनारायण सैनी कहा कि रोटरी क्लब हमेशा समाज में सकारात्मक ऊर्जा व भाईचारे का संदेश देने का कार्य करता है।

महेंद्रगढ़। छात्र पंकज को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल के छात्र ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा क्वालीफाई की

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोमला रोड भोजावास के छात्र पंकज पुत्र रामनिवास गांव खैराना ने 247 अंक लेकर सीए फाउंडेशन की परीक्षा क्वालीफाई की है। संस्था प्राचार्य अनिल कुमार ने बताया कि सीए फाउंडेशन की परीक्षा 18 व 22 व 24 जनवरी को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा का परिणाम आठ मार्च को घोषित किया गया। संस्था निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य नवीन कुमार, मनोज कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, उपप्राचार्य शकुंत शहरावत, वरिष्ठ अध्यापक रामसिंह, राकेश कुमार तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने सीए फाउंडेशन क्वालीफाई करने वाले छात्र को सम्मानित किया। निदेशक हवासिंह यादव ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामना दी।

खबर संक्षेप

अरावली बचाओ पर कन्वेंशन 14 मार्च

नारनौल। अरावली पर्वतमाला बचाओ, पर्यावरण बचाओ विषय पर 14 मार्च को प्रातः 11 बजे बस स्टैंड के नजदीक मालवीय नगर स्थित अंबेडकर भवन में कन्वेंशन का आयोजन किया जाएगा। मास्टर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि अरावली की पहचान करोड़ों साल पुरानी है और लोगों ही नहीं, जंगली जीव जंतुओं एवं पशु पक्षियों के लिए भी बड़ी जीवनदायिनी है। बड़े आश्चर्य की बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने गत 20 नवंबर 2025 के अपने फैसले में भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा बताई परिभाषा स्वीकार कर सिर्फ 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ी को ही अरावली पर्वतमाला मान लिया गया।

मीरपुर यूनिवर्सिटी में पाया आठवां रैंक

मंडी अटेली। अटेली महिला कालेज में पांचवें वे सेमेस्टर में पढ़ने वाली गणियार गांव की

वशिष्टा पुत्री संदीप ने मीरपुर यूनिवर्सिटी में आठवां रैंक हासिल किया है। इससे पहले द्वितीय सेमेस्टर में भी आठवां रैंक हासिल किया था। मेट्रिक में 98 प्रतिशत प्रतिशत तथा 12 में 87 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल व गांव का नाम रोशन किया है।

डीसी ने जिलास्तरीय समिति की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

दयालु-2 योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर करें आवेदन

योजना के तहत आयु वर्ग के अनुसार 1 से 5 लाख तक की सहायता का प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने सोमवार को लघु सचिवालय में आवारा पशुओं के कारण होने वाली अनहोनी में पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय परिवार सुरक्षा योजना दयालु-2 की जिला स्तरीय समिति की बैठक ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने बारी-बारी से पीड़ित व्यक्ति व उनके परिवार वालों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिनकी फाइल कंप्लीट हो चुकी है, उनको जल्द से जल्द योजना का लाभ दिलवाया जाए।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत सार्वजनिक स्थान पर गाय, बैल, नीलगाय, गधा आदि जैसे आवारा या बेसहारा पशुओं के हमले करने या कुत्ता के काटने पर आर्थिक मदद दी जाती है। किसी व्यक्ति की मृत्यु या स्थायी विकलांगता होने पर पीड़ित या उसके आश्रित परिवार को सहायता का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी का हरियाणा राज्य का निवासी होना अनिवार्य है। लाभार्थी का नाम परिवार पहचान पत्र में दर्ज होना चाहिए। यह योजना तब प्रभावी होगी जब पशु हमले का हादसा हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर हुआ हो।

नारनौल। पीड़ितों की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसडीएम महेंद्रगढ़ कनिका गोयल, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, एसडीएम कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह, सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, डीएसपी भारत भूषण, डीएसओ अनीता के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

ये मिलेगी सहायता राशि

डीसी ने बताया कि सरकार की ओर से आयु के अनुसार सहायता राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि 12 वर्ष तक की आयु के लिए मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर पांच लाख रुपये, 45 वर्ष से अधिक आयु के लिए मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर तीन लाख रुपये निर्धारित किए गए है। उन्होंने बताया कि घायल होने की स्थिति में सभी आयु वर्गों के लिए घायल अवस्था में 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कुत्ते के काटने पर कुत्ते के काटने पर दांत के निशान के आधार पर सहायता का प्रावधान है।

ये रहेगी आवेदन की प्रक्रिया

डीसी ने बताया कि पीड़ित परिवार सीधे ऑनलाइन दयालु-2 योजना के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। सहायता राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी। प्रार्थी को हादसे के 90 दिन के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि कुत्ते के काटने पर एफआईआर, डीडीआर, फोटो व इलाज से संबंधित कागजात भी पोर्टल पर अपलोड करने अनिवार्य हैं।

महेंद्रगढ़। स्वयंसेवक कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

हकेंवि के स्वयंसेवक क्षमता विकास कार्यक्रम में करेंगे प्रतिभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दस स्वयंसेवक मुकुल, प्रिंस, दीविता, देवराज, राहुल, विशाल, अंशु, दीक्षिता, कामिनि, खुशी राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ में 10 मार्च से 13 मार्च तक आयोजित होने वाले क्षमता विकास कार्यक्रम शिविर में प्रतिभागिता करने के लिए रवाना हुए। इन स्वयंसेवकों का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम तथा डॉ. युद्धवीर कर रहे हैं। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय स्तर के शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। एनएसएस समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि क्षमता विकास कार्यक्रम शिविर का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। शिविर में भागीदारी विश्वविद्यालय की प्रगतिशील सोच और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका को दर्शाती है।

चंडीगढ़ में 10 से 13 मार्च तक होगा कार्यक्रम

किसानों ने नांगल चौधरी क्षेत्र की नहरों के लिए मांगा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किसानों ने सिंचाई के लिए नांगल चौधरी क्षेत्र में एक महीने के बाद भी नहरी पानी उपलब्ध न करवाने पर कार्यकारी अभियंता संदीप नासीर से मिलकर उनसे नहर में पानी सप्लाई सुनिश्चित करने बारे आग्रह किया। किसानों ने अधिकारी से बताया कि गेहूं की फसल को पानी दिए एक महीने से ऊपर हो गया है। तापमान सामान्य से 5-6 डिग्री ऊपर चल रहा है। गेहूं की फसल सूखने के कगार पर है। ऐसे में गेहूं की फसल को 15 दिन में पानी चाहिए। इन हालातों में अगर जल्द ही पानी नहीं मिला तो निश्चित ही गेहूं फसल पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। इस पर एक्शन संदीप नासिर ने जेई व एसडीओ को बुलाकर निर्देश दिया कि नांगल चौधरी क्षेत्र में नहर के पानी की सप्लाई तुरंत चालू की जाए। इस पर किसानों ने संतोष जाहिर किया व अधिकारी का धन्यवाद भी किया। किसानों ने अधिकारी के माध्यम से सीएम हरियाणा के नाम ज्ञापन भी देकर इलाके में पानी कि आपूर्ति बढ़ाने की भी मांग की। इस अवसर पर किसान नेता कॉमरेड बलबीर सिंह, सीताराम, महावीर गोद, विजेंद्र सिंह एवं नागर सिंह गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। नहर विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीर नासीर को ज्ञापन सौंपते हुए।

प्रधान ने किया शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण

महेंद्रगढ़। नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी की ओर से शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। उन्होंने इस दौरान वार्ड नंबर 12 व 13 के लोगों की समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों को मौके पर ही उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। लोगों ने प्रधान रमेश सैनी को नालियों द्वारा पानी निकासी, सीवर व सड़क निर्माण संबंधित अनेक समस्याओं से अवगत करवाया। प्रधान ने लोगों का को आश्वासन दिया कि उनकी जो भी समस्याएं हैं, उन पर तुरंत प्रभाव से गौर किया जाएगा। इसी कड़ी में वार्ड नंबर छह की कटला गली में चल रहे सीवर लाइन डालने के कार्य का भी मौके पर निरीक्षण किया गया और संबंधित ठेकेदार को फोन पर ही उचित दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सीवर का कार्य पूर्ण होते ही यहां पर सड़क निर्माण कार्य भी तुरंत प्रारंभ कर दिया जाएगा।

श्रीपरशुराम भवन के लिए दिया 2.51 लाख रुपये का अनुदान

- भवन निर्माण कार्य मे बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के मोहल्ला देवस्थान निवासी स्वर्गीय मूलचन्द पाण्डे नक्शानवीस की पावन स्मृति में उनके पुत्र किशनलाल पाण्डे व पौत्र द्वारका प्रसाद पुत्र स्वर्गीय शिवचरण पाण्डे ने निर्माणाधीन भगवान श्रीपरशुराम भवन (संचालित श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा) के लिए आर्थिक योगदान के रूप में दो लाख 51 हजार रुपये प्रदान किए।

इस अवसर पर सभा प्रधान राकेश मेहता अधिवक्ता ने बताया कि इस पावन कार्य के लिए सम्पूर्ण सभा के सदस्य इस परिवार का धन्यवाद करते हैं और भगवान श्रीपरशुराम जी से प्रार्थना करते हैं कि इनकी नेक कमाई में सदैव बरकत दें। सभा सचिव कृष्ण कुमार ठेकेदार ने दानदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि समाज के लोगों को आगे आकर इस भवन निर्माण कार्य मे बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग करना चाहिए, ताकि समाज को जल्द ही नया भवन मिल सके।

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार।

शिविर में डीसी ने सुनीं शिकायतें

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनीं। इस मौके पर कुल 35 नागरिकों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई, जिनका अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी जानबूझकर शिकायतों को लंबित रखेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आज मिली शिकायतों में बिजली, पानी, सीवरेज, पेंशन, परिवार पहचान पत्र, पंचायत व राजस्व विभाग से संबंधित मामले शामिल थे। जिनके त्वरित निपटान के लिए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मृतक किसान की विधवा को सौंपा 5 लाख का चेक

विभागीय अधिकारियों को मंडी में मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध करने की हिदायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

गांवड़ी जाट निवासी मृतक किसान की विधवा संतरा देवी को मार्केट कमेटी के चेयरमैन रमाशंकर ने पांच लाख का चेक सौंपकर आर्थिक सहायता दी। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मंडी में मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए 2013 में मुख्यमंत्री खेत खलिहान योजना क्रियावित की गई थी। जिसमें किसानों को खेतीबाड़ी करते समय अंग भंग होने तथा देहांत होने की स्थिति में आर्थिक सहायता का प्रावधान किया है। गांवड़ी जाट निवासी किसान खेत में ट्रैक्टर की मदद से काम कर रहा था।

इसी दौरान ट्रैक्टर पलट गया था, जिसके नीचे दबने से सत्यपाल सिंह की मौत हो गई थी। दिवंगत किसान की पत्नी संतरा देवी को पांच लाख की आर्थिक सहायता मुहैया कराई है। इस मौके पर मंडी सुपरवाइजर विकास कुमार, रविकांत, जितेंद्र ऑक्शन रिकार्डर, विकास यादव कमेटी मेंबर, सुनील डांगी, देशराज मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। मृतक किसान की विधवा को आर्थिक सहायता देते चेयरमैन रमाकांत शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। कैम्प में रक्तदान करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

महिला दिवस पर लगाया रक्तदान कैम्प

नारनौल। नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्लड बैंक नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार थे। अध्यक्षता डॉ. संगीता यादव व रेडक्रॉस सोसायटी से डॉ. एसपी सिंह ने की। कार्यक्रम संयोजक मनीष गोगिया संस्थापक नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप थे। विशेष रूप से नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के संस्थापक की पत्नी प्रीति गोगिया ने भी रक्तदान किया। संस्था के संस्थापक ने बताया कि 22 मार्च को शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर 44वां रक्तदान शिविर का आयोजन जैन मांगलिक भवन तालाब बहादुर सिंह में किया जाएगा। इस मौके पर मनीष गोगिया, सुनील यादव, अनिल यादव, पवित्रा यादव, सुरभि यादव, अनिल शर्मा, मनीष गर्ग, संदीप जैन, पवन यादव, सुनील गोयल, प्रीति गोगिया, राघव गोगिया आदि मौजूद थे।

छितरौली में महिलाओं को किया सम्मानित

कनीना। छितरौली के एसडीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल प्रबंधन ने विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। महिला दिवस के मौके पर आयोजित इस समारोह में खेलकूद प्रतियोगिता सहित म्यूजिकल चेयर, मोबाइल प्रयोग, निबंध लेखन, भाषण सहित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। विद्यालय की प्राचार्या रेखा ने कहा कि इस प्रकार के समारोह से समाज में जागरूकता के साथ भाईचारे की भावना पैदा होती है।

कनीना। महिलाओं को सम्मानित करती प्राचार्या रेखा।

मार्च माह की शुरुआत के साथ ही खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ी

अटेली क्षेत्र में सरसों की कटाई शुरू, बंपर पैदावार की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सरसों की फसल की कटाई का कार्य शुरू हो गया है। मार्च माह की शुरुआत के साथ ही खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ गई है। सुबह से लेकर सायं तक किसान अपने खेतों में सरसों की कटाई में जुटे हुए दिखाई दे रहे हैं। इस बार मौसम अनुकूल रहने और समय पर हुई वर्षा के कारण किसानों को सरसों की अच्छी पैदावार की उम्मीद है। खेतों में लहलहाती सरसों की फसल अब पककर तैयार हो चुकी है और किसान तेजी से इसकी कटाई कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस वर्ष मौसम ने फसल का पूरा साथ दिया है। समय पर हुई बारिश, ठंड का अनुकूल प्रभाव और किसानों द्वारा की गई समय पर देखभाल के चलते फसल अच्छी तैयार हुई है। किसानों के अनुसार इस बार सरसों की पैदावार लगभग आठ से 12 क्विंटल प्रति एकड़ तक होने की संभावना है, जिससे किसानों को अच्छी आमदनी मिलने की उम्मीद है। क्षेत्र के किसान इंद्रजीत और बिट्टु लांबा ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार सरसों की फसल काफी बेहतर स्थिति में है। मौसम अनुकूल रहा और रोगों का प्रकोप भी कम देखने को मिला। जिससे फसल की गुणवत्ता भी अच्छी है। किसानों ने बताया कि खेतों में अब तक लगभग 50 प्रतिशत सरसों की कटाई का कार्य पूरा हो चुका है और अगले कुछ दिनों में बाकी फसल की कटाई भी पूरी कर ली जाएगी। सरसों की कटाई के साथ ही मजदूरों की मांग भी बढ़ गई है। यदि कटाई का काम ठेके पर करवाया जाए तो मजदूर लगभग पांच हजार रुपये प्रति एकड़ तक ले रहे हैं। वहीं दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूर प्रतिदिन लगभग सात सौ से आठ सौ रुपये तक मेहनताना ले रहे हैं। कटाई के बाद किसान फसल को मंडी में ले जाने की तैयारी में भी जुट गए हैं। किसानों के अनुसार सरसों की कटाई के बाद अब गेहूं की फसल भी पकने के करीब है और लगभग एक सप्ताह के भीतर गेहूं की कटाई का कार्य भी शुरू हो जाएगा। ऐसे में आने वाले दिनों में खेतों में कृषि कार्य और अधिक तेज हो जाएगा। किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद के साथ अपने कार्य में लगे हुए हैं।

मंडी अटेली। उनिंदा में कटाई के बाद रखी सरसों की फसल। *फोटो : हरिभूमि*

डॉ. मेघा मित्तल को मिला प्रगति नारी शक्ति सम्मान

नारनौल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से आयोजित भव्य समारोह में संवेदना अस्पताल की महिला चिकित्सक डॉ. मेघा मित्तल को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान व महिला सशक्तिकरण के लिए प्रगति नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय गोस्वामी, विशिष्ठ अतिथि डॉ. उषा यादव, डॉ. सुरेंद्र मित्तल, संगीता शर्मा, कार्यक्रम संयोजक रवीना सोनी, नरोत्तम सोनी, ओशीन शुक्ला ने उन्हें स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया।

टेंपो एक्सीडेंट में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

नारनौल। गत दो मार्च को हमीदपुर बस स्टैंड पर एर्टिगा कार एवं ऑटो के बीच हुए एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल पटीकरा की एक और महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

जानकारी के अनुसार पटीकरा निवासी करीब 31 वर्षीय मौसम देवी पत्नी भूपेंद्र मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थी। वह भी दो मार्च को हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। हादसे के बाद उसे पहले नारनौल में उपचार दिया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया था, जिस पर परिजन उसे जयपुर लेकर गए हुए थे। परिजनों ने बताया कि जयपुर में इलाज के दौरान मौसम देवी की हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों ने उसे बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन आखिरकार उसकी मौत हो गई। जैसे ही मौत की खबर गांव पहुंची तो परिवार और आसपास के लोगों में शोक छा गया। मौसम देवी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई है, जिनमें एक बेटी और दो बेटे शामिल हैं। मां की असमय मौत के बाद बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बताई जा रही।